NEW ERA PUBLIC SCHOOL RAJBAGH

SOLVED ASSIGNMENT OF UNIT-III

CLASS: 8th

SESSION 2021

SUBJECT: HINDI

पाठ- 12.
जहाँ पहिया है.

कठिन शब्दों के अर्थ :
जकड़े हुए = फँसे हुए, रूढ़िवादी = पुराने विचार लिए हुए, हैसियत = सामर्थ्य, प्रहार = आक्रमण रोज़मर्रा, हक्का-बक्का = हैरान, विनम्र = सरल स्वभाव, खदानें = खानें, उत्पादक = वस्तु बनाने वाले, दिक्कत = परेशानी, आर्थिक = धन से संबंधित।

अभ्यास के प्रश्नों के उत्तर

1. 'साइकिल आंदोलन' से पुडुकोट्टई ज़िले की महिलाओं के जीवन में अनेक महत्वपूर्ण बदलाव आए। अब उन्हें बस की लंबी पंक्तियों में प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती है। इस आंदोलन ने महिलाओं को अत्याधिक आत्मविश्वास प्रदान किया है। अब वे पुरूषों पर कम ही निर्भर रहती है। साइकिल चलाने से महिलाएँ एक विशेष प्रकार का अनुभव एवं स्वतंत्रता महसूस करती हैं। प्रत्येक क्षेत्र में कार्य करने वाली लड़कियाँ एंव महिलाएँ साइकिल का अत्यधिक प्रयोग करके अपने जीवन स्तर को निखारने का प्रयत्न कर रही है।

2. प्रारंभ में पुरुषों द्वारा महिलाओं के 'साइकिल आंदोलन' का विरोध करना स्वाभाविक था, क्योंकि पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं का इस तरह स्वतंत्रतापूर्वक विचार करना और इतनी आज़ादी से जीवन बिताना करना पसंद नहीं करता। लेकिन इन सब बातों के होने पर भी आर० साइकिल्स के मालिक ने इस आंदोलन का पूरी तरह से समर्थन किया। मात्र आर० साइकिल्स के यहाँ से के यहाँ से लेडीज़ साइकिल की बिक्री में 350 प्रतिशत की चौंकने वाली वृद्धि हुई। इतनी तीव्र गति से वृद्धि होने के कारण ही आर० साइकिल्स के मालिक ने 'साइकिल आंदोलन' का पुरज़ोर समर्थन किया।

3. प्रारंभ में इस आंदोलन को चलाने में पुडुकोट्टई ज़िले की महिलाओं को अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ा। शुरु-शुरु में पुरुष साइकिल चलाने वाली स्त्रियों पर फ़बतियाँ कसते थे। उन्हें बुरी दृष्टि से देखते थे। पुरुष इस तरह साइकिल चलाने वाली नारियों को परिवार का कलंक और अपराधी समान मानते थे। इस प्रकार मानसिक और शारीरिक रूप से स्त्रियों को प्रधान समाज में अपने साइकिल आंदोलन के कारण अनेक कष्ट सहने पड़े। (रिक्त स्थान भरें) Pg no 3.

में तुफान ला दिया।

5. उनके लिए यह हवाई जहाज उड़ाने जैसी बड़ी उपलब्धि थी।

प्र० अभि, प्र, अनु, परि, वि (उपसर्ग)

उपसर्ग	मूल शब्द	समस्त पद
अभि	वादन	अभिवादन
प्र	शिक्षण	प्रशिक्षण
अनु	पालन	अनुपालन
परि	त्याग	परित्याग
वि	रोध	विरोध

प्र० इक, वाला, ता ना (प्रत्यय)

प्रत्यय	मूल शब्द	समस्त पद
इक	मास	मासिक
वाला	सब्जी	सब्जीवाला
ता	प्रतियोगी	प्रतियोगिता
ना	जान	जानना

रिक्त स्थान भरें :

1. पुडुकोट्टई तामिलनाडु में साइकिल चलाना एक सामाजिक आंदोलन है।
2. फातिमा ने बताया कि साइकिल चलाने में एक खास तरह की आज़ादी है
3. इस आंदोलन ने महिलाओं को बहुत आत्मविश्वास प्रदान किया है।
4. हैंडल पर झंडियाँ लगाए, घंटियाँ बजाते हुए साइकिल पर सवार 3500 महिलाओं ने पुडुकोट्टई

पाठ - 13

अकबरी लोटा

कठिन शब्दों के अर्थ
ठठेरी बाज़ार = बर्तनों का बाजार, आँखे सेकना = देखना, एकाएक = अचानक, प्रतिष्ठा = इज्जत, विपदा = मुसीबत, हेंकड़ी = शेखी, अदब = सम्मान, वेग = तेजी, ताव = जोश, पुश्त = वंश, सिंकड़ी = चेन, खुराफ़ाती = शरारत करने वाला, गनीमत = संतोष की बात, खुक्ख = खाली, ईजाद = खोज, इजाजत = आज्ञा, गाथाएँ = कहानियाँ, अफसोस = दुख, तन्मयता = लगन, बेढंगी = खराब, क्रिमिनल = अपराधी

अभ्यास के प्रश्नों के उत्तर.

1. लाला झाऊलाल को बेढ़ँगा लोटा बिलकुल पसंद नहीं था। फिर भी उन्होंने चुपचाप लोटा ले लिया क्योंकि वह अपनों का सम्मान करते थे। इसी सम्मान को सभ्यता कहा जाता है। पति को पत्नी का सम्मान करना भी चाहिए। खैर अन्य मुख्य कारण यह था कि लाला अभी रूपयों का प्रबंध नहीं कर पाए थे। इसलिए भी वह विनम्र हो रहे थे दूसरे वह सोच रहे थे चलो अभी बेढ़ंगे लोटे में पानी दे रही है यदि रूपए न दे पाया तो खाना तो बाल्टी में ही मिलेगा। और अपनी इज्जत इसी में है कि इसी बेढ़ँगे लोटे में पानी पी लूँ।

Scanned with CamScanner

२. लाला झाऊलाल ने अपने घर में जब लोगों की भीड़ देखी और भीड़ में एक अंग्रेज को प्रधान पात्र के रूप में लोटा लिए देखा तो वह समझ गए क्या मुसीबत सिर आ पड़ी है। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि अब वह क्या करें। लोटे के पानी से अंग्रेज व्यक्ति पैर से सिर तक पूरी तरह भीग चुका था। उसके पैरों में चोट आई हुई थी। वह लंगड़ा कर चल रहा था। अपराधी लोटे को अंग्रेज़ के हाथों में देखकर लाला की स्थिति और बिगड़ने लगी और उन्हें समझते देर न लगी कि गरीबी में आटा गीला हो गया।

३. अंग्रेज़ के सामने पंडित बिलवासी मिश्र ने लाला झाऊलाल को पहचानने से इनकार इसलिए कर दिया था क्योंकि वह जानते थे कि यदि उन्होंने अंग्रेज से कह दिया कि वह लाला के मित्र हैं तो वह उनसे कोई बात नहीं करेगा। अतः लाला के लाभ के लिए पंडित बिलवासी ने अपने व्यवहार में परिवर्तन किया और अंग्रेज को अपने अनोखे तरीके से समझाने बुलाने और शांत करने का प्रयत्न किया।

5. पंड़ित बिलवासी मिश्र लाला झाऊलाल के घनिष्ठ मित्र थे। दोनों एक-दूसरे से कुछ नहीं छिपाते थे। अपने मित्र लाला को कठिनाई में देख और उसकी आप बीती सुनकर पंड़ित जी ने उनकी सहायता करने की सोची। जब पंड़ित जी को कहीं से भी रुपयों का प्रबंध होते नहीं दिखा तो उन्होंने अपने ही घर में अपनी पत्नी की संदूक से ढाई सौ रुपये चोरी किए, पत्नी को इस बात की जरा भी भनक नहीं थी। अत: इस प्रकार से पंड़ित बिलवासी मिश्र ने रुपयों का प्रबंध किया।

प्र० कहानी में से पाँच मुहावरे चुनकर उनका प्रयोग करते हुए वाक्य लिखिए :

1. तिलमिला उठना - अचानक कष्ट होना - दोस्त की व्यंग्यपूर्ण बाते सुनकर मैं तिलमिला उठा।
2. दुमदबाकर निकल भागना - डर के मारे भाग जाना - बिल्ली को देखकर चूहा दुमदबाकर बिल में जा घुसा।
3. हाथ धोना - खो देना - युद्ध में कई सिपाही अपनी जान से हाथ धो बैठा।

Scanned with CamScanner

4. गुस्सा पीना - क्रोध पर काबू करना - हमें अपने गुस्सा पर काबू रखना चाहिए।
5. पीठ ठोंकना - शाबाशी देना - 'परीक्षा में प्रथम पाने पर सभी ने मेरी पीठ ठोंकी।
6. दबे पाँव - बिना आवाज़ किए - चोर दबे पाँव घर में घुसे और सारा सामान चुराकर ले गए।

रिक्त स्थान भरें :

1. लाला झाऊमल को खाने-पीने की कमी नहीं थी।
2. पाँचवे दिन घबराकर उन्होंने पं. बिलवासी मिश्र को अपनी विपदा सुनाई।
3. गिरने से पूर्व लोटा एक दुकान के सायबान से टकराया।
4. मुझे पुरानी और ऐतिहासिक चीज़ों के संग्रह का शौक है।
5. अच्छा पहले पाँच सौ रुपये गिनकर सहेज लीजिए।

पाठ-14.
ओ नभ में मंडराते बादल

कविता का सार

'ओ नभ में मंडराते बादल' कविता के रचयिता श्री रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' हैं। इस कविता में कवि ने बादलों को बरसने को कहा है। धरती प्यासी है। कवि उसकी प्यास बुझाने के लिए बादल को कहता है कि बिन बरसे मत चले जाना। पहाड़ पानी की बूँदों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। धूप में जले हुए जंगल पुकार रहे हैं। धूप में जले हुए जंगल पुकार रहे हैं। आज मीठे सपनों में बादलों का आसमान भरा है। भीषण गर्मी से प्रकृति का रोम-रोम झुलस रहा है। खेत-खलिहान और मुंडेरों पर खड़े अनगिनत लोग तुम्हें निहार रहे हैं।

अभ्यास के प्रश्नों के उत्तर :-

1. इस गीत में कवि बादल से बरसने का आग्रह कर रहा है। वह कहता है कि धरती का कण-कण प्यासा है। इसीलिए बिना बरसे मत चले जाना।

2. खुश्क पहाड़ बूँदों के लिए तरस रहे हैं। धूप में जले जंगल पानी को पुकार रहे हैं। नदियों के सूखे

किनारे पानी के लिए मचल रहे हैं। धरती का कण-कण प्यासा है। हर घर का आदमी बादल की ओर देख रहा है।

3. तपती धरती की देर से रोक रखी प्यास जाग उठी है। जड़-चेतन के मन-प्राणों में एक नई उमंग पैदा हो गई है कि अब बादल के बरसने से उनकी तपन दूर हो जाएगी। प्रकृति का रोम-रोम प्यासा है।

4. खेतों-खलिहानों, मुँडेरों पर, छत पर, घर-घर, हेर रहे अनगिनत दृग तुम को जल वाले जलधर।

6. i, कल्पना की उड़ान ii, कल्पना के पंख
iii, कल्पना की तूलिका.

7. क, ग्रीष्म ऋतु में लगातार की तपन से धूप थक जाती है। फिर वह बादल से पानी से भरी बाँहें माँगती हैं।
ख, मन की कल्पना से जीवन की संतुष्टि कुछ समय के लिए ही हो सकती है। वास्तविक बूँदों से ही मनुष्य को तृप्ति मिलती है।

रिक्त स्थान भरो :

1. 'ओ नभ में मँडराते बादल' कविता के कवि रामेश्वर शुक्ल अंचल है।
2. सूखे सुमनों को हरियाली का आभास दिखा।
3. थकी अनमनी धूप माँगती है जलमय बाँहें।
4. कब तक जलती बालू पर यौवन का फूल खिले।
5. तुम बरसो मन की थकान का मन मिसरी घोले।

पाठ- 15
प्रेमचंद

अभाव = कमी, विमाता = सौतेली माँ, इम्तहान = परीक्षा, त्राण = छुटकारा, विवशता = मजबूरी, बदसूरत = कुरूप, रूपांतर = अनुवाद, आतुरता = बेचैनी, त्याग-पत्र = इस्तीफा, मनोरथ = इच्छा, आजीवन = जीवन भर, देहावसान = मृत्यु, निष्ठुर = कठोर, गैर-हाजरी = अनुपस्थिति।

अभ्यास के प्रश्नों के उत्तर :-

1. घ, वे घर पर सौतेली माँ से परेशान हो जाते थे।.
2. क, तीव्र लगन
3. हँसमुख एंव चंचल स्वभाव का।

Pg. no 11.

4. प्रेमचंद जी का बचपन बड़ी कठिनाइयों में व्यतीत हुआ। वे अभी सात वर्ष के ही थे कि माता का देहांत हो गया। पिता ने दूसरा विवाह कर लिया। सौतेली माँ का व्यवहार उनके प्रति अच्छा न था। वे उन्हें बात-बात पर डाँटती। आठ वर्ष की आयु में पास के गाँव में मौलवी साहब के पास पढ़ने के लिए जाते। सुबह बासी रोटियाँ खा लेते। दोपहर के लिए जौ और मटर के दाने चबाने के लिए रख लेते। प्रेमचंद जी की ऐसी हालत आई कि उनके पाँव में जूते न थे और पहनने के लिए पूरे वस्त्र भी न थे।

5. प्रेमचंद जी ने शिवरानी नामक एक बाल-विधवा से दूसरा विवाह कर लिया। शिवरानी एक अच्छी पत्नी साबित हुई। उसने अपने पति को हर प्रकार का सहयोग दिया। शिवरानी के सहयोग से प्रेमचंद जी को जीवन के संकटों का सामना करने की एक नई शक्ति मिली।

6. स्वतंत्रता आंदोलन में प्रेमचंद जी ने बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें संदेह नहीं कि प्रेमचंद जी को जेल जाने का अवसर प्राप्त नहीं हुआ पर अपनी लेखनी के माध्यम से उन्होंने लाखों भारतवासियों को स्वतंत्रता संग्राम में अपनी आहुति देने के लिए प्रेरित किया। सन् 1910-11 में देशभक्ति की

Scanned with CamScanner

भावना से ओत-प्रोत कहानियों का एक संग्रह 'सोज़े वतन' अंग्रेजी सरकार ने जब्त कर लिया। 1930 ई० प्रेमचंद जी की कहानियों का संग्रह 'समर यात्रा' भी जब्त हो गया।

8. प्रेमचंद जी हिंदी के सर्वश्रेष्ठ कथाकार के रूप में मशहूर है। उन्हें हिंदी का उपन्यास सम्राट माना जाता है। उनका साहित्य हिंदी-गद्य का भंडार है। उन्होंने अनेक ग्रंथ हिंदी साहित्य को भेंट किया है:-

कहानी संग्रह - 'सप्त सुमन', सप्त सरोज, स्वनिधि, प्रेम-प्रसून, प्रेमतीर्थ, प्रेम पचीसी, प्रेम पूर्णिमा, सत्य सुमन, मान सरोवर (आठ भाग)।

निबंध : कुछ विचार, साहित्य का उद्देश्य, तलवार और त्याग।

उपन्यास - प्रतिज्ञा, सेवा सदन, वरदान, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, काया-कल्प, निर्मला, गबन, कर्मभूमि, गोदान।

नाटक - संग्राम, कर्बला, प्रेम की वेदी।

रिक्त स्थान भरें :

1. गोदान उपन्यास के लेखक प्रेमचंद है।
2. प्रेमचंद का जन्म 1880 में हुआ था।
3. धनपत सात वर्ष का ही था कि माँ चल बसी।
4. प्रेमचंद ने बचपन से ही मुसीबतों पर हँसना सीखा था।
5. फिर भी 'जमाना' के प्रेमचंद की मौलिक उर्दू रचनाएं मिलती रहीं।

Scanned with CamScanner

6. लेकिन अब तक तंदरुस्ती बिल्कुल खत्म हो चुकी थी।
7. प्रेमचंद की दूसरी पत्नी का नाम शिवरानी था।

—o—

हिन्दी व्याकरण

निबंध :-
1. दहेज प्रथा - एक अभिशाप
2. महँगाई
3. पुस्तकालय के लाभ

पत्र :
1. अपने चाचा जी को उपहार के लिए धन्यवाद पत्र लिखें।
2. प्रधानाचार्य को चरित्र प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए प्रार्थना पत्र लिखें।

विलोम शब्द - (31 - 50)
पर्यायवाची - (31 - 50)
लिंग - (31 - 50)
मुहावरे - (31 - 50)
समास - (31 - 50)
सर्वनाम की परिभाषा तथा उसके भेद ?